स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकारिता भूषण
सम्पादकाचार्य रमाकान्त श्रीवास्तव
पूर्व प्रधान सम्पादक (राजपत्रित)
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

मो० 9628240263
दूरभाष : (0522) 2330006
एल 6/96, सेक्टर एल,
अलीगंज, लखनऊ-226 024

पत्रांक....................

दिनांक 6.8.2012

बन्धुवर रवि मित्तल जी,

कथाशिल्पी द्वय —— श्री मनोज ठक्कर एवं सुश्री रश्मि छाजेड़ — द्वारा सुप्रणीत तथा शिव ॐ साँई प्रकाशन, इन्दौर द्वारा प्रकाशित उपन्यास 'काशी मरणान्मुक्ति' की सद्यः प्रति पाकर जिस कृतार्थभाव की अनुभूति हुई है, वह शब्दातीत है। आपने इस अनुपम-अनोखी-अद्भुत साहित्यिक कृति को प्रेषित कर जिस सम्मान का आभास मुझे दिलाया है, उससे मैं अभिभूत हूँ।

सम्प्रति मैं तो अभी इस भावगंगा में डुबकी लगा रहा हूँ, बाद में अपनी प्रतिक्रिया से आपको अवगत कराऊँगा। अभी तो इतना ही निवेदन है कि हिन्दी साहित्य के इतिहास में प्रांजल भाषा से संयुक्त और अध्यात्म से अभिषिक्त ऐसी औपन्यासिक कृति अभी तक नहीं आविर्भूत हुई है। अतः यह एक महानतम साहित्यिक उपलब्धि है। इसके प्रकाशन से हिन्दी भाषा और साहित्य को अप्रतिम गौरव मिला है।

और रचनाकार द्वय — श्री मनोज ठक्कर और सुश्री रश्मि छाजेड़ को कोटिशः साधुवाद! प्रकाशक शिव ॐ साँई प्रकाशन के प्रति भी साहित्य जगत सदा-सर्वदा कृतज्ञता के भाव से भरा रहेगा।

शुभेच्छु
रमाकान्त श्रीवास्तव

सेवा में,
श्री रवि मित्तल
इन्दौर

पूर्व उप सम्पादक-दैनिक वर्त्तमान, कानपुर : पूर्व समाचार सम्पादक-दैनिक वीरभारत, कानपुर : पूर्व प्रधान सम्पादक-साप्ताहिक जयभारत, कानपुर : पूर्व सम्पादक-श्रमजीवी मासिक, श्रम आयुक्त कार्यालय, कानपुर : पूर्व प्रधान सम्पादक (राजपत्रित)-उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ : पूर्व साहित्य सम्पादक-साप्ताहिक स्वतंत्र भारत सुमन, पायनियर प्रेस, लखनऊ : पूर्व सम्पादक-श्रमिका मासिक, लेबर इन्स्टीट्यूट, कानपुर : पूर्व सम्पादक-गरिमा भारती मासिक, लखनऊ : पूर्व कार्यकारी सम्पादक-सानुबन्ध मासिक, लखनऊ : पूर्व प्रधान सम्पादक-भारतीय उद्देश्य, लखनऊ : सम्प्रति संपादक-भारतीय मनीषा, लखनऊ।